

न्यायालय राजस्व मंडल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

समक्ष

एम० के० सिंह

सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 2039-तीन/2013 - विरुद्ध आदेश
दिनांक 29-04-2013 पारित द्वारा - अपर आयुक्त, ग्वालियर
संभाग, ग्वालियर - प्रकरण क्रमांक 613/2011-12 अपील

जसबन्त सिंह पुत्र बृजमण्डल सिंह,
निवासी ग्राम ओझरपुर तहसील
मुंगावली जिला अशोकनगर, म०प्र०

---आवेदक

विरुद्ध

1- श्रीमती गनेशी वाई पत्नि मालमसिंह
2- मुन्ना 3- हरचन्दी 4- रबि
तीनों पुत्रगण मालम सिंह
5- सुश्री गिरजावाई पुत्री मालम सिंह
निवासीगण ग्राम केशलोन तहसील
मुंगावली जिला अशोकनगर मध्य प्रदेश

--अनावेदकगण

(आवेदक के अभिभाषक श्री जी०पी०नायक)
(अनावेदकगण के अभिभाषक श्री के०के०द्विवेदी)

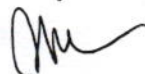
आ दे श

(आज दिनांक 2-12-2015 को पारित)

यह निगरानी अपर आयुक्त, ग्वालियर संभाग, ग्वालियर
द्वारा प्र०क्र० 613/2011-12 अपील में पारित आदेश दिनांक
29-04-2013 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959
की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि आवेदक ने ग्राम ओझरपुर
स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 78/7 रकबा 6.061 हैक्टर में से अंश
रकबा 1.045 हैक्टर (आगे जिसे वादग्रस्त भूमि सम्बोधित किया

K2



गया है) रिकार्डेड भूमिस्वामी मालमसिंह से कय किया। विक्रय पत्र के आधार पर राजस्व अमले ने क्रेता आवेदक का नामान्तरण नहीं किया, इसी दरम्यान मालमसिंह की मृत्यु हो जाने से ग्राम की नामान्तरण पंजी के सरल क्रमांक 4 पर आदेश दिनांक 23-1-2000 से उसके वारिसान अनावेदकगण का नामान्तरण कर दिया। इस आदेश के विरुद्ध आवेदक ने प्रथम अपील अनुविभागीय अधिकारी मुंगावली के समक्ष प्रस्तुत करने पर प्रकरण क्रमांक 67/2009-10 अपील में पारित आदेश दिनांक 18-6-12 से नामान्तरण पंजी के सरल क्रमांक 4 पर आदेश दिनांक 23-1-2000 से अनावेदकगण के हित में किया गया नामान्तरण निरस्त किया एवं विक्रय पत्र के आधार पर क्रेता आवेदक का नामान्तरण स्वीकार किया। इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, ग्वालियर संभाग, ग्वालियर के समक्ष अपील होने पर प्र.क. 613/2011-12 अपील में पारित आदेश दिनांक 29-04-2013 से अपील स्वीकार की गई एवं अनुविभागीय अधिकारी, मुंगावली का आदेश दिनांक 18-6-12 निरस्त किया गया। इसी आदेश से दुखी होकर यह निगरानी की गई है।

3/ निगरानी मेमो में उठाये गये बिन्दुओं पर उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्क सुने तथा अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का अवलोकन किया गया।

4/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन से यह तथ्य निर्विवाद है कि आवेदक ने वादग्रस्त भूमि तत्समय रिकार्डेड भूमिस्वामी अनावेदकगण के पति/पिता से पंजीकृत विक्रय पत्र से कय की है, तब क्या विक्रय पत्र के आधार पर क्रेता का नामान्तरण नहीं होगा ?

4-2

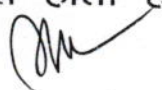


1. भू राजस्व संहिता, 1959 (म0प्र0)-धारा 110 - रिकार्डेड भूमिस्वामी द्वारा भूमि का विक्रय - भूमि विक्रय के पश्चात् विक्रीत भूमि में विक्रेता के कोई अधिकार शेष नहीं रहते - विक्रेता के मरणोपरांत उसके उत्तराधिकारियों को भी विक्रीत भूमि में किसी प्रकार के अधिकार नहीं पहुंचते।
2. भू राजस्व संहिता, 1959 (म0प्र0)-धारा 109, 110 पंजीकृत विक्रय पत्र की बैधता/अवैधता की जांच करने की शक्तियाँ राजस्व न्यायालय को नहीं है।

परन्तु अपर आयुक्त, ग्वालियर संभाग, ग्वालियर ने आदेश दि. 29-4-13 पारित करते समय उक्त की अनदेखी की है जिसके कारण उनके द्वारा पारित आदेश अपास्त किये जाने योग्य है।

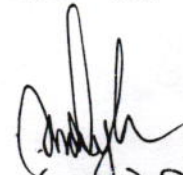
5/ अपर आयुक्त ग्वालियर संभाग ने आदेश दिनांक 29-4-13 में विवेचित किया है कि आवेदक द्वारा विक्रय पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु दिया गया आवेदन एक वार निरस्त हो चुका है उसे दुबारा नामान्तरण कराने की पात्रता नहीं है - निकाला गया निष्कर्ष त्रुटिपूर्ण है क्योंकि पंजीकृत विक्रय पत्र पूर्ण विक्रय पत्र है एवं पंजीकृत विक्रय पत्र पर से नामान्तरणकर्ता अधिकारी नामान्तरण करने हेतु वाध्य है, जब तक पंजीकृत विक्रय पत्र शून्य घोषित नहीं होता - विक्रय पत्र पर से नामान्तरण किया जावेगा। म0प्र0 भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 110 में व्यवस्था दी गई है कि नामान्तरण आवेदन एक वार दिया जाता है, परन्तु प्राड.न्याय लागू न होने से आवेदन पत्र द्वितीय वार दिया जा सकता है, उसके लिये कपट या छल-प्रपंच का आधार होने पर न्यायालय द्वारा द्वितीय आवेदन पत्र ग्राह्य किया जा सकता है। म0प्र0 भू राजस्व संहिता 1959 में कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं किया गया है। यह नैसर्गिक न्याय से संचालित होता है। न्यायदान महत्वपूर्ण है और जहां

for



राजस्व अधिकारी को यह अपेक्षित लगता है कि मिथ्या प्ररूपण से प्रथम आवेदन पत्र दिया गया, जबकि वह हिताधिकारी नहीं था, ऐसे नामान्तरण को पुनः विचार में लिया जा सकता है और यह द्वितीय आवेदन पत्र से ही ज्ञात हो सकता है एवं न्यायालय द्वितीय आवेदन पत्र विचार हेतु ग्राह्य कर सकता है। विचाराधीन प्रकरण में विक्रीत भूमि पर विक्रेता के अधिकार शेष न रहने के बाबजूद उसके उत्तराधिकारीगण का नामान्तरण करने पर अनुविभागीय अधिकारी मुंगावली के समक्ष आवेदक ने अपील में चुनौती दी है एवं स्वयं का नामान्तरण न किये जाने का तथ्य रखा है ऐसी स्थिति में अपर आयुक्त ग्वालियर संभाग द्वारा आदेश दिनांक 29-4-2013 में निकाला गया उक्तानुसार निष्कर्ष त्रुटिपूर्ण है।

6/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी स्वीकार की जाकर अपर आयुक्त, ग्वालियर संभाग, ग्वालियर द्वारा प्र0क0 613/2011-12 अपील में पारित आदेश दिनांक 29-04-2013 त्रुटिपूर्ण होने से निरस्त किया जाता है फलस्वरूप अनुविभागीय अधिकारी मुंगावली द्वारा प्रकरण क्रमांक 67/2009-10 अपील में पारित आदेश दिनांक 18-06-2012 स्थिर रहने से ग्राम ओझरपुर स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 78/7 रकबा 6.061 हैक्टर में से आवेदक द्वारा क्रीत रकबा 1.045 हैक्टर पर शासकीय अभिलेख में आवेदक का नाम दर्ज रखे जाने के आदेश दिये जाते हैं।


(एम.के.सिंह)
सदस्य

राजस्व मण्डल
मध्य प्रदेश ग्वालियर

44